

वह रसूम या भेंट जो गाँव के मुखिया को दिया जाता था।

सयानी स्त्री. (तद्.) किशोरावस्था या युवावस्था प्राप्त लड़की **वि.** 1. बुद्धिमती, चतुर, होशियार 2. धूर्त, कपटिन।

सयोनि वि. (तत्.) एक ही कोख से उत्पन्न, निकट संबंधी, एक ही जाति या वर्ग के **पुं.** 1. सगा भाई 2. इंद्र।

सय्याद पुं. (अर.) शिकारी, व्याध, चिड़ीमार, बहेलिया।

सय्याह पुं. (अर.) देश-विदेश घूमने वाला, पर्यटक।

सरंग पुं. (तत्.) 1. चतुष्पद 2. पक्षी 3. एक प्रकार का हिरन **वि.** रंगीन, रंगदार। सानुनासिक।

सरंगा स्त्री. (देश.) तेज चलने वाली एक प्रकार की नौका।

सरंगी स्त्री. (तद्.) सारंगी, एक वाद्य यंत्र।

सरंजाम पुं. (फा.) 1. काम का नतीजा, परिणाम 2. कार्य का पूरा होना, पूर्ति 3. प्रबंध, व्यवस्था 4. तैयारी।

सरंड पुं. (तत्.) 1. दुष्ट व्यक्ति, लंपट 2. पक्षी 3. गिरगिट 4. एक आभूषण।

सरंदीप पुं. (देश.) सिंहलद्वीप, श्रीलंका, सरनदीप।

सरंध वि. (तत्.) 1. जिसमें बहुत छोटे-छोटे छिद्र हो जिनसे होकर हवा जा सकती हो, रंध्रयुक्त, छेदयुक्त 2. रोमकूपों से युक्त त्वचा।

सर पुं. (फा.) 1. सिर, चोटी 2. सिरा, अंतिम भाग या आरंभ का भाग 3. सीमा, हद **पुं.** (तत्.) 1. सरोवर, तालाब 2. झरना, जलप्रपात 3. शर, बाण, तीर 4. गमन गति **स्त्री.** समानता, बराबरी।

सरअंजाम पुं. (फा.) दे. सरंजाम।

सरई स्त्री. (तद्.) अनाज रखने का एक प्रकार का बरतन (देश.) सरपत जाति के पौधे का एक भेद, सरहरी।

सरकंडा पुं. (तद्.) सरपत की जाति का पौधा, नरकुल।

सरक पुं. (तत्.) 1. गमन, चलना, सरकने की क्रिया, खिसकना 2. चुपचाप निकलना, खिसक जाना 3. पथिकों की लगातार पंक्ति, काफिला, कारवाँ 4. मदिरा, मदय, शराब 5. मदिरा-पात्र, सुरापात्र 6. सुरापान, मदिरापान 7. शराब की खुमारी, मदिरा का नशा।

सरकना अ.क्रि. (तद्.) 1. जमीन से सटे हुए आगे बढ़ना, रेंगना, खिसकना 2. (समय का) धीरे-धीरे बीतना, धीरे से खिसक जाना, रफूचक्कर होना **स.क्रि.** बालियों में से अनाज निकालने के लिए उसे कूटने की क्रिया, कूटना, पीटना।

सरकफुंदी स्त्री. (देश.) एक प्रकार का सरकने वाला फंदा, जिसे किसी वस्तु पर डालकर खींचने से वह उसे जकड़ लेता है।

सरकबंधनी स्त्री. (तद्.) धातु अथवा प्लास्टिक की बनी हुई एक प्रकार की जंजीर जिसमें दाँते होते हैं और जो कपड़े या चमड़े आदि की बनी वस्तुओं में लगती है और अपने दोनों किनारों के बीच में लगे हुक की सहायता से सरक कर वस्तु को खेलने या बंद करने के काम आती है।

सरकश वि. (फा.) 1. आज्ञा का उल्लंघन करने वाला, उद्दंड 2. अशिष्ट, दुष्ट 3. अहंकारी, घमंडी 4. विद्रोही, बागी।

सरकशी स्त्री. (फा.) 1. उद्दंडता, आज्ञा का उल्लंघन, विद्रोह 2. अशिष्टता 3. स्वेच्छाचारिता।

सरका पुं. (अर.) चोरी।

सरकार स्त्री. (अनु.) 1. सरकाने की क्रिया या भाव 2. गौ आदि को हाँकना।

सरकार स्त्री. (फा.) 1. शासन 2. शासन-व्यवस्था 3. शासन-प्रबंध, शासक-मंडल-किसी देश के राष्ट्रपति या मुख्यमंत्री द्वारा चुने हुए मंत्रियों का वह दल जो सामूहिक रूप से उस देश को शासित करता है 4. अधिकारी, मालिक **पुं.** 1. प्रबंधकर्ता 2. बड़े व्यक्तियों के लिए संबोधन का एक शब्द 3. स्वामी, मालिक, हुजूर 4. बंगाली लोगों की एक कुल-उपाधि जैसे बादल सरकार, निदेशचंद्र सरकार।